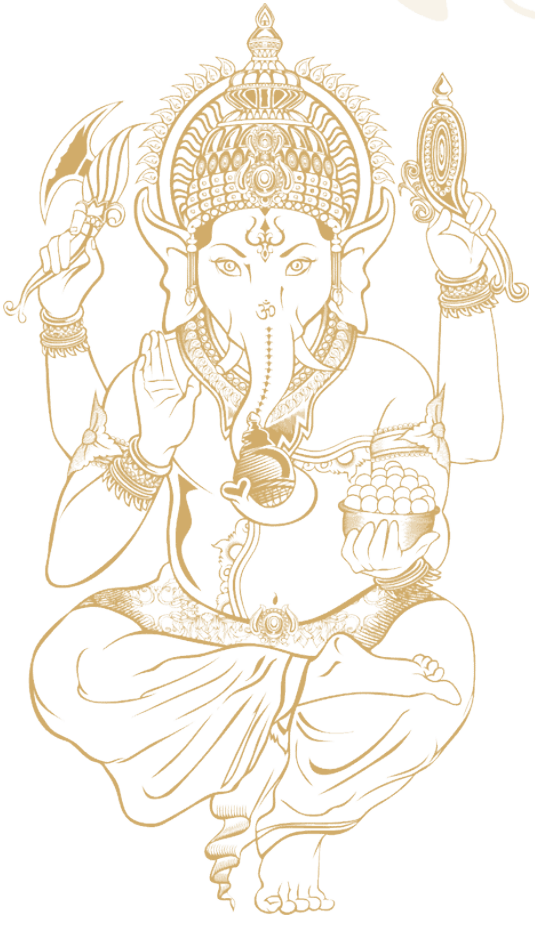

Kuldeep Jhalani

27 Jan 1991

08:05 PM

Alwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121947004

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/01/1991**
दिन	रविवार
जन्म समय	**20:05:00 घंटे**
इष्ट	32:10:15 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:41:20 घंटे
वेलान्तर	-00:12:41 घंटे
साम्पातिक काल	04:06:49 घंटे
सूर्योदय	07:12:54 घंटे
सूर्यास्त	18:00:01 घंटे
दिनमान	10:47:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	13:24:58 मकर
लग्न के अंश	11:14:17 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वैधृति
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	कू-कुणाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	11:14:17	316:22:43	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	---
सूर्य			मक	13:24:58	01:00:57	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	07:00:09	14:46:47	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
मंगल			वृष	07:52:54	00:16:26	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
बुध			धनु	22:39:12	01:23:24	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
गुरु	व		कर्क	15:02:14	00:08:01	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	उच्च राशि
शुक्र			कुंभ	04:16:50	01:14:50	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि		अ	मक	05:04:22	00:07:05	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	स्वराशि
राहु			मक	04:18:17	00:00:44	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	मित्र राशि
केतु			कर्क	04:18:17	00:00:44	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष			धनु	17:32:50	00:03:19	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	---
नेप			धनु	21:22:21	00:02:09	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो			तुला	26:26:48	00:00:54	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
दशम भाव			वृष	09:58:53	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:13

लग्न-चलित

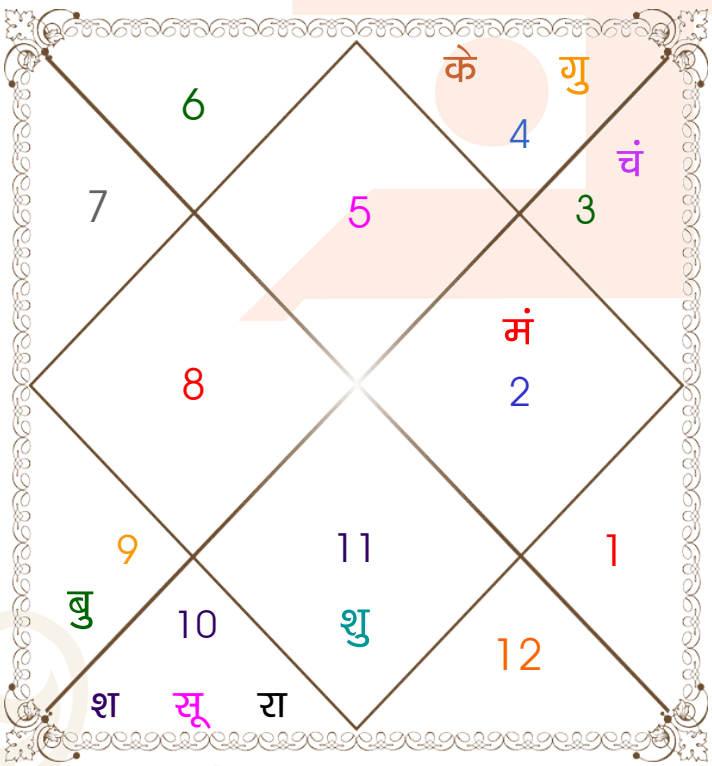

चन्द्र कुंडली

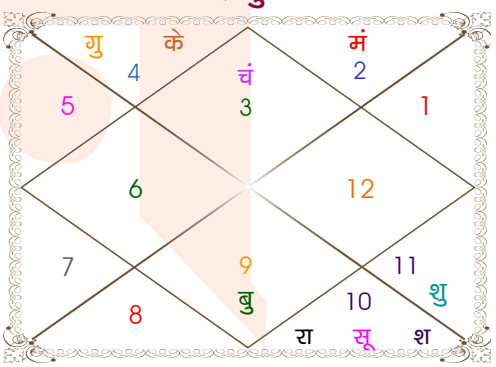

नवमांश कुंडली

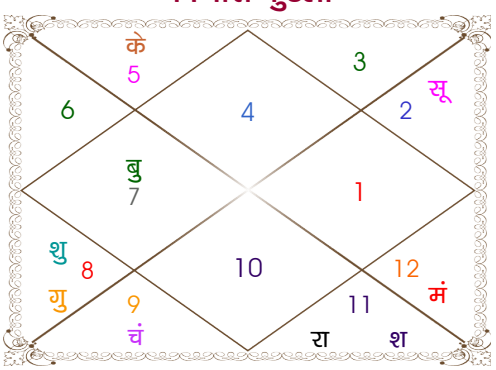

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 17 वर्ष 6 मास 16 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
27/01/1991		14/08/2008		14/08/2024		15/08/2043		14/08/2060	
14/08/2008		14/08/2024		15/08/2043		14/08/2060		15/08/2067	
राहु	27/04/1993	गुरु	02/10/2010	शनि	18/08/2027	बुध	11/01/2046	केतु	10/01/2061
गुरु	20/09/1995	शनि	15/04/2013	बुध	27/04/2030	केतु	08/01/2047	शुक्र	12/03/2062
शनि	27/07/1998	बुध	22/07/2015	केतु	06/06/2031	शुक्र	08/11/2049	सूर्य	18/07/2062
बुध	13/02/2001	केतु	27/06/2016	शुक्र	06/08/2034	सूर्य	14/09/2050	चंद्र	16/02/2063
केतु	03/03/2002	शुक्र	26/02/2019	सूर्य	19/07/2035	चंद्र	14/02/2052	मंगल	16/07/2063
शुक्र	03/03/2005	सूर्य	15/12/2019	चंद्र	16/02/2037	मंगल	10/02/2053	राहु	02/08/2064
सूर्य	26/01/2006	चंद्र	15/04/2021	मंगल	28/03/2038	राहु	30/08/2055	गुरु	09/07/2065
चंद्र	28/07/2007	मंगल	22/03/2022	राहु	01/02/2041	गुरु	05/12/2057	शनि	18/08/2066
मंगल	14/08/2008	राहु	14/08/2024	गुरु	15/08/2043	शनि	14/08/2060	बुध	15/08/2067

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
15/08/2067		15/08/2087		14/08/2093		16/08/2103		16/08/2110	
15/08/2087		14/08/2093		16/08/2103		16/08/2110		00/00/0000	
शुक्र	14/12/2070	सूर्य	03/12/2087	चंद्र	15/06/2094	मंगल	12/01/2104	राहु	28/01/2111
सूर्य	15/12/2071	चंद्र	02/06/2088	मंगल	14/01/2095	राहु	30/01/2105		00/00/0000
चंद्र	14/08/2073	मंगल	08/10/2088	राहु	15/07/2096	गुरु	06/01/2106		00/00/0000
मंगल	15/10/2074	राहु	02/09/2089	गुरु	14/11/2097	शनि	14/02/2107		00/00/0000
राहु	14/10/2077	गुरु	21/06/2090	शनि	15/06/2099	बुध	12/02/2108		00/00/0000
गुरु	14/06/2080	शनि	03/06/2091	बुध	15/11/2100	केतु	10/07/2108		00/00/0000
शनि	15/08/2083	बुध	08/04/2092	केतु	16/06/2101	शुक्र	09/09/2109		00/00/0000
बुध	15/06/2086	केतु	14/08/2092	शुक्र	14/02/2103	सूर्य	15/01/2110		00/00/0000
केतु	15/08/2087	शुक्र	14/08/2093	सूर्य	16/08/2103	चंद्र	16/08/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 17 वर्ष 6 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगे। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगे, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगे। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगे।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति के व्यक्ति है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगे। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगे। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगे। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेते हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगें। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगे।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेते हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करते हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरूचिपूर्ण ढंग से संपादन करते हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगे। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगे तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग के भुक्त भोगी होंगे। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।